लीडिंग लेडी के रूप में चुना जाना सपने के सच होने जैसा : शर्वरी

मुझे अपनी फिल्म की नायिका के रूप में देखना मेरे काम और मेरे सिनेमा के प्रति जुनून के लिए एक बहुत बड़ी मान्यता है. फिल्म मैं वापस आऊंगा 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी.

बॉलीवुड अभिनेत्री शर्वरी का कहना है कि फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में लीडिंग लेडी के रूप में चुना जाना उनके लिये सपने के सच होने जैसा है. बॉलीवुड फिल्मकार इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में शर्वरी बोलीं मुख्य भूमिका में नजर आयेंगी.

शर्वरी ने इम्तियाज़ अली के साथ काम करने के अनुभव और उनकी दुनिया का हिस्सा बनने के मायने साझा किये.

शर्वरी ने कहा,मुझे लगता है कि इम्तियाज़ अली की फिल्म की अभिनेत्री होना उस दुनिया में कदम रखने जैसा है, जहां किरदार और आपके अपने दिल के बीच की रेखाएं बेहद खूबसूरती से धुंधली होने लगती हैं. इम्तियाज़ सर ने हमें इतनी शानदार अभिनेत्रियां दी हैं, जिन्हें हम सभी ने वर्षों से पसंद किया है.

शर्वरी ने कहा,'मैं वापस आऊंगा' में इम्तियाज अली की लीडिंग लेडी के रूप में चुना जाना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है. जब आलिया, दीपिका, करीना, अनुष्का जैसे कलाकार उनके साथ काम कर चुके हैं, ऐसे में उनका

राकेश मिश्रा का नया भक्ति गीत अंगना मे मोती झरे हुआ रिलीज

चैत्र नवरात्रि 2026 के शुभ अवसर पर सवेरे म्यूजिक वर्ल्ड के यूट्यूब चैनल पर 19 मार्च को राकेश मिश्रा का नया भक्ति गीत अंगना मे मोती झरे रिलीज होने जा रहा है. इस गीत को मनोज मतलवी ने लिखा है, गौरव विशाल सिंह ने संगीत दिया है और वीडियो रवि पंडित ने बनाया है. राकेश मिश्रा ने कहा, मैं अपने इस नए गीत को लेकर बहुत उत्साहित हूँ. मुझे उम्मीद है कि यह गीत लोगों को पसंद आएगा और उन्हें चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर आनंद देगा.यह गीत मेरे लिए एक बहुत बड़ा अनुभव है. मुझे उम्मीद है कि यह गीत लोगों को पसंद आएगा और उन्हें प्रेरित करेगा. रवि पंडित ने कहा, यह गीत एक बहुत ही सुंदर और भावपूर्ण गीत है. मुझे उम्मीद है कि यह गीत लोगों को पसंद आएगा और उन्हें चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर आनंद देगा.

राहुल मोदी संग श्रद्धा की शादी की चर्चा

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं. हाल ही में ऐसी खबरें सामने आई हैं कि अभिनेत्री इस साल अपने कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ शादी कर सकती हैं. सोशल मीडिया और मनोरंजन जगत में इन अटकलों ने तेजी से जगह बना ली है.

हालांकि अब इस पूरे मामले पर अभिनेत्री के परिवार की ओर से प्रतिक्रिया सामने आई है. दरअसल, श्रद्धा कपूर की मौसी पद्मिनी कोल्हापुरे ने इन खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अभी तक परिवार में शादी को लेकर कोई आधिकारिक चर्चा नहीं हुई है. उन्होंने साफ किया कि मीडिया में चल रही खबरों में कितनी सच्चाई है, इस बारे में वह भी पूरी तरह निश्चित नहीं हैं. पद्मिनी कोल्हापुरे ने कहा कि अगर श्रद्धा शादी करने का फैसला लेंगी तो परिवार जरूर खुश होगा, लेकिन फिलहाल ऐसी कोई पक्की जानकारी उनके पास नहीं है.

पिछले कुछ समय से श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के रिश्ते को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं. दोनों को कई बार साथ देखा गया है, जिसके बाद से उनके रिश्ते की खबरें और तेज हो गईं.

कलाकारों ने बताया चैत्र नवरात्रि का महत्व

एण्डटीवी के कलाकारों ने बताया कि व्यस्त शूटिंग शेड्यूल के बावजूद भी इस खास मौके पर अपनी आस्था और परंपराओं से कैसे जुड़े रहते हैं. शो 'घरवाली पे?वाली' में सावी का किरदार निभा रहीं सीरत कपूर ने कहा, नवरात्रि मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि यह भक्ति और आंतरिक शक्ति का प्रतीक है. लंबे शूटिंग घंटों के बावजूद मैंने इस साल कुछ दिन व्रत रखने का फैसला किया है. थो?ी प्लानिंग के साथ यह आसानी से हो जाता है. मैं सुबह मां दुर्गा की पूजा से दिन की शुरुआत करती हूं और फिर सेट पर जाती हूं. दिनभर मैं फल, दही, मखाना और साबूदाना खिच?ी जैसे हल्के व्रत वाले भोजन लेती हूं, जिससे ऊर्जा बनी रहे. कभी-कभी घर से शकरकंद चाट या कुट्टू का चीला भी साथ ले आती हूं. ब्रेक के दौरान सह-कलाकारों के साथ मिलबांट कर खाना इस अनुभव को और खास बना देता है. व्यस्त दिनचर्या के बीच भी नवरात्रि मुझे शांति और सकारात्मकता का एहसास कराती है. एण्डटीवी के लोकप्रिय शो 'भाबीजी घर पर हैं' में मनमोहन तिवारी की भूमिका निभा रहे रोहिताश्व गौ? ने कहा,चैत्र नवरात्रि मेरे परिवार के लिए हमेशा से बेहद खास और आध्यात्मिक समय रहा है. मैं हर साल व्रत रखने की कोशिश करता हूं और इस बार भी व्यस्त शूटिंग के बावजूद व्रत रख रहा हूं.

कलाकारों ने बताए अपने गुड़ी पाड़वा सेलीब्रेशन प्लांस !

गुड़ी पाड़वा को नए साल की खुशियों और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है. रंग-बिरंगी रंगोलियों, शुभ गुड़ी की स्थापना और पारंपरिक व्यंजनों के साथ मनाया जाने वाला यह त्योहार उत्साह, परंपरा और परिवार के साथ बिताए गए पलों की याद दिलाता है. एण्डटीवी के कलाकारों के लिए भी यह दिन केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि यादों को फिर से जीने, अपनों के साथ समय बिताने और नए साल का स्वागत उम्मीद और सकारात्मकता के साथ करने का अवसर है. उन्होंने इस मौके पर अपने खास अनुभव और इस साल के जश्न की योजनाएँ साझा कीं. इन कलाकारों में शामिल हैं, अमिताभ घानेकर (घरवाली पेड़वाली में पनौती मामा) और शिल्पा शिंदे (भाबीजी घर पर हैं 2.0 में अंगूरी भाबी).

ऑस्कर वीक के दौरान साउथ एशियाई सिनेमा के बढ़ते वर्चस्व पर

ताहा शाह बदुशा के विचार

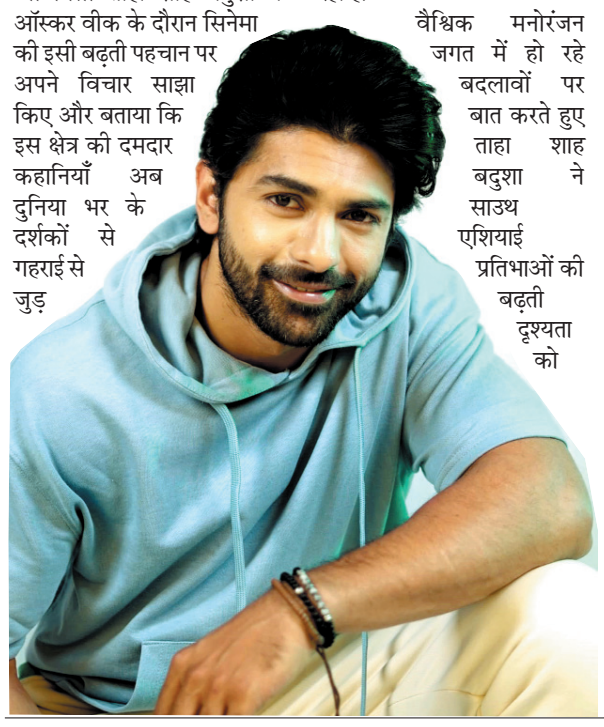

अभिनेता ताहा शाह बदुशा ने ऑस्कर वीक के दौरान सिनेमा की इसी बढ़ती पहचान पर अपने विचार साझा किए और बताया कि इस क्षेत्र की दमदार कहानियाँ अब दुनिया भर के दर्शकों से गहराई से जुड़ रही हैं.

वैश्विक मनोरंजन जगत में हो रहे बदलावों पर बात करते हुए ताहा शाह बदुशा ने साउथ एशियाई प्रतिभाओं की बढ़ती दृश्यता को दिखाते हैं कि इस क्षेत्र की कहानियाँ सीमाओं से परे जाकर दुनिया भर के विविध दर्शकों तक पहुँच रही हैं और उनसे जुड़ भी रही हैं. ताहा का मानना है कि यह पहचान साउथ एशियाई कहानियों की ताकत, उनकी प्रामाणिकता और सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है, जो अब वैश्विक मंचों पर अपनी जगह बना रही हैं. उन्होंने कहा कि वह खुद को उस पीढ़ी का हिस्सा मानकर आभारी महसूस करते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साउथ एशियाई आवाज़ों को और मजबूत बनाने में योगदान दे रही है.उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह बदलाव सिर्फ प्रतिनिधित्व का मामला नहीं है, बल्कि उन अनोखे दृष्टिकोणों और अनुभवों का उत्सव है, जिन्हें दुनिया भर में देखा और सुना जाना चाहिए. जैसे-जैसे साउथ एशियाई सिनेमा और प्रतिभाएँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक पहचान हासिल कर रही हैं, वैसे-वैसे ताहा शाह बदुशा जैसे कलाकारों की आवाज़ें एक बड़े आंदोलन की ओर इशारा कर रही हैं.

फिल्म देखने के बाद स्पॉइलर शेयर न करें : आदित्य धर

बॉलीवुड फिल्मकार आदित्य धर ने फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' की रिलीज से दर्शकों से खास अपील की है कि फिल्म देखने के बाद वह स्पॉइलर शेयर न करें.

जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' कल 19 मार्च को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है, जबकि पेड प्रीव्यू आज से शुरू हो चुके हैं और शुरुआती शो में जबरदस्त माहौल बन रहा है. फिल्म की रिलीज से पहले निर्देशक आदित्य धर ने दर्शकों से खास अपील की है कि फिल्म देखने के बाद स्पॉइलर शेयर न करें.

आदित्य धर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, हमने 'धुरंधर द रिवेंज' में अपना दिल और मेहनत लगाई है, जिससे आप हर ट्विस्ट और हर इमोशन को वैसे ही महसूस करें जैसे इसे बनाया गया है. थिएटर में, अंधेरे में, दोस्तों, परिवार और बाकी लोगों के साथ बैठकर एक जैसा अनुभव करना ही असली मजा है. आदित्य धर ने लिखा, फिल्में ऐसे ही देखी जानी चाहिए, न कि

किसी के फोन पर खराब क्वालिटी में. इसलिए मेरी दिल से एक ही गुजारिश हैज्कृपया स्पॉइलर शेयर न करें.

देवी पार्वती का किरदार निभाना बेहद खास : श्रेनु पारिख

अभिनेत्री श्रेनु पारिख का कहना है कि सोनी सब के शो 'गणेश कार्तिकेय' में देवी पार्वती का किरदार निभाना उनके लिये बेहद खास रहा है. सोनी सब के शो 'गणेश कार्तिकेय' के आने वाले एपिसोड्स में कहानी देवी पार्वती और भगवान शिव के दिव्य मिलन की ओर बढ़ती है. सती के बलिदान के बाद पुनर्जन्म लेकर पार्वती महादेव को जागृत करने के संकल्प के साथ तपस्या शुरू करती हैं. महादेव गहरे ध्यान और शोक में लीन रहते हैं, लेकिन पार्वती वर्षों तक कठिन तप और सेवा करती हैं. इस बीच, राक्षस तारकासुर (आमिर दलवी) का अत्याचार ब्रह्मांड को संकट में डाल देता है. कामदेव (करण चौधरी) प्रेमबाण से शिव का ध्यान भंग करने का प्रयास करते हैं, जिससे शिव प्रचंड क्रोध में

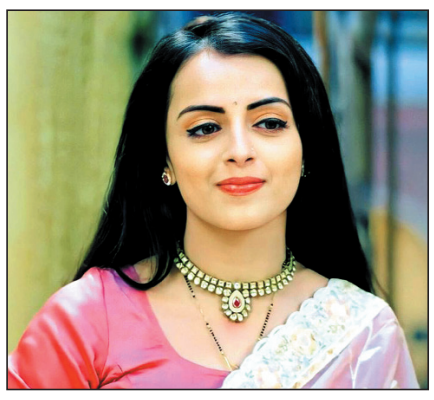

कामदेव को भस्म कर देते हैं लेकिन पार्वती की अटूट भक्ति धीरे-धीरे शिव के दु:ख को पिघलाती है और उनके नियति-निर्धारित मिलन की राह बनाती है.

साइंस एंड टेक्नोलॉजी

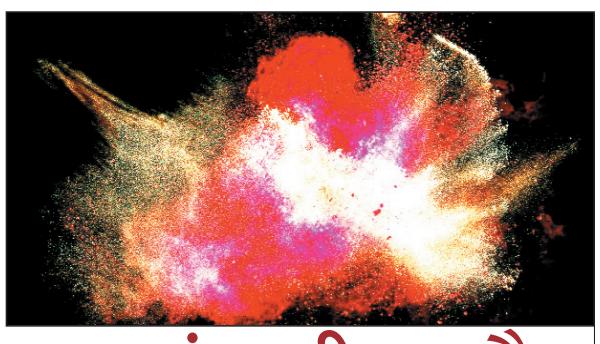

लाल रंग: जीवन और मृत्यु के बीच की कड़ी

नव सभ्यता के इतिहास में लाल रंग का महत्व केवल एक रंग के रूप में नहीं, बल्कि गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रतीक के रूप में रहा है. 1823 में विलियम बकलैंड ने वेल्स की एक गुफा में एक कंकाल खोजा, जिस पर लाल गेरू लगा हुआ था. प्रारंभ में इसे रोमन काल की एक महिला माना गया, लेकिन बाद में शोध से पता चला कि यह लगभग 33 हजार वर्ष पुराना एक पुरुष का अवशेष था. यह खोज इस बात का संकेत देती है कि लाल रंग का उपयोग प्राचीन काल से ही विशेष अनुष्ठानों में होता रहा है.

दुनिया के कई हिस्सों—इज़राइल, रूस, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका—में भी लाल गेरू से जुड़े दफनाने के प्रमाण मिले हैं. कैमिला पावर के अनुसार, लाल रंग शरीर और वस्त्रों पर सजावट के रूप में एक संरचित अनुष्ठानिक व्यवहार का हिस्सा रहा है. यह जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों—जैसे युवावस्था में प्रवेश या मृत्यु—को दर्शाता है.

अनुष्ठानों के प्रसिद्ध विद्वान विक्टर टर्नर ने ऐसे क्षणों को 'सीमांत अवस्था' यानी ऐसी स्थिति बताया है, जहाँ सामान्य सामाजिक नियम अस्थायी रूप से बदल जाते हैं. इन अवस्थाओं में लाल रंग एक माध्यम बनता है, जो व्यक्ति को एक अवस्था से दूसरी अवस्था में ले जाने का प्रतीक होता है.

इतिहास और धर्मग्रंथों में भी लाल रंग का व्यापक उल्लेख मिलता है. ऋग्वेद में उषा को अरुण यानी लालिमा से युक्त बताया गया है, जो एक नए आरंभ का प्रतीक है. इसी तरह, होमर के महाकाव्यों में युद्ध और रक्तपात को लाल रंग से जोड़ा गया है. हिब्रू परंपरा में भी 'लाल', 'मनुष्य' और 'धरती' एक ही मूल से जुड़े हुए हैं, जो जीवन और मृत्यु के चक्र को दर्शाते हैं.

स्पष्ट है कि लाल रंग केवल दृश्य अनुभव नहीं, बल्कि मानव समाज के गहरे अर्थों, विश्वासों और परंपराओं से जुड़ा हुआ है. यह जीवन और मृत्यु, बलिदान और पुनर्जन्म के बीच एक सेतु की तरह कार्य करता है, जो मानव सभ्यता की निरंतरता को दर्शाता है.

दमदार बैटरी के साथ आया वीवो टी5एक्स 5जी

भारतीय स्मार्टफोन बाजार में मध्यम वर्ग के ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए वीवो ने अपनी नई टी5 श्रृंखला का पहला स्मार्टफोन वीवो टी5एक्स 5जी पेश किया है. यह फोन न केवल दमदार बैटरी और मजबूत बनावट के साथ आता है, बल्कि इसमें आधुनिक तकनीक और आकर्षक फीचर्स का भी समावेश किया गया है. कंपनी का लक्ष्य उन उपभोक्ताओं को साधना है, जो किफायती कीमत में प्रीमियम अनुभव चाहते हैं.

वीवो टी5एक्स 5जी में 6.76 इंच का फुल एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है, जो 120 हर्ट्ज़ रिफ्रेश दर और 1200 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ आता है. यह फीचर उपयोगकर्ताओं को स्मूद और चमकदार विजुअल अनुभव प्रदान करता है, जो गेमिंग और वीडियो देखने के लिए बेहद उपयुक्त है. इसके साथ ही फोन को मिलिट्री ग्रेड ड्यूरेबिलिटी और आईपी68 व आईपी69 प्लस जल प्रतिरोध क्षमता भी दी गई है, जिससे यह कठिन परिस्थितियों में भी सुरक्षित रहता है.

फोन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कई टूल्स भी शामिल किए गए हैं, जैसे एआई ट्रांसक्रिप्ट असिस्ट, सर्कल टू सर्च, एआई क्रिएशन और एआई कैप्शंस. यह फोन साइबर ग्रीन और स्टार सिल्वर रंगों में उपलब्ध होगा. इसकी शुरुआती कीमत 18,999 रुपये रखी गई है और इसकी बिक्री 24 मार्च से शुरू होगी. कुल मिलाकर, वीवो टी5एक्स 5जी अपने सेगमेंट में एक संतुलित और आकर्षक विकल्प बनकर उभरा है.

इस स्मार्टफोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी 7200 एमएएच की बड़ी बैटरी है, जो लंबे समय तक उपयोग सुनिश्चित करती है. इसके साथ 44 वाट का चार्जर भी बॉक्स में दिया गया है, जिससे फोन जल्दी चार्ज हो जाता है. प्रोसेसर की बात करें तो इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7400 टर्बो चिपसेट दिया गया है, जो तेज और स्मूद परफॉर्मेंस प्रदान करता है. यह फोन 8 जीबी तक रैम और 256 जीबी तक यूएफएस 3.1 स्टोरेज विकल्प के साथ उपलब्ध है.

कैमरा के मामले में भी वीवो टी5एक्स 5जी काफी सक्षम नजर आता है. इसमें 50 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा, 2 मेगापिक्सल का बोकेह कैमरा और 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया गया है. खास बात यह है कि फ्रंट और रियर दोनों कैमरों से 4के वीडियो रिकॉर्डिंग की सुविधा मिलती है. इसके अलावा डुअल व्यू वीडियो फीचर भी दिया गया है, जिससे एक साथ दोनों कैमरों से रिकॉर्डिंग की जा सकती है.

टेलोमीयर : लंबी उम्र और कैंसर का छिपा राज

मानव शरीर की कोशिकाओं के भीतर मौजूद गुणसूत्रों के सिरों पर स्थित टेलोमीयर जीवन, उम्र बढ़ने और कैंसर के बीच गहरे संबंध को उजागर करते हैं. हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने यह समझने की कोशिश की है कि जीवन की शुरुआती कोशिकाओं में टेलोमीयर की लंबाई कैसे तय होती है और यह भविष्य के स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित कर सकती है.

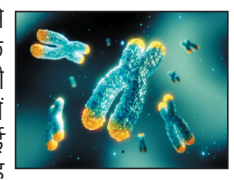

टेलोमीयर को जूतों के फीते के सिरे पर लगे छोटे प्लास्टिक कवर की तरह समझा जा सकता है, जो फीते को टूटने से बचाते हैं. इसी प्रकार, टेलोमीयर गुणसूत्रों की रक्षा करते हैं. लेकिन हर बार जब कोशिका विभाजित होती है, तो ये टेलोमीयर थोड़े-थोड़े छोटे होते जाते हैं. जब ये बहुत अधिक छोटे हो जाते हैं, तो कोशिका विभाजन बंद कर देती है, जिसे कोशिकीय वृद्धावस्था कहा जाता है. यह स्थिति कई उम्र से जुड़ी बीमारियों और सूजन से संबंधित होती है. इस शोध में मिया लेविन और माइकल लैम्पसन की टीम ने यह जानने का प्रयास किया कि टेलोमीयर की लंबाई माता-पिता से बच्चों में कैसे स्थानांतरित होती है. क्या यह केवल जीनों के माध्यम से होता है या सीधे अंडाणु और शुक्राणु से? शोध के निष्कर्ष चौंकाने वाले रहे.

अध्ययन में पाया गया कि यदि माता से छोटे टेलोमीयर और पिता से लंबे टेलोमीयर मिलते हैं, तो भ्रूण अपने टेलोमीयर को लंबा कर लेता है. वहीं यदि माता से लंबे और पिता से छोटे टेलोमीयर मिलें, तो भ्रूण के टेलोमीयर छोटे हो जाते हैं.

क्रोम यूजर्स सावधान : डेटा चोरी का खतरा

कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम-इंडिया (सर्ट-इन) ने हाल ही में क्रोम उपयोगकर्ताओं के लिए एक 'उच्च जोखिम' चेतावनी जारी की है. एजेंसी ने कई महत्वपूर्ण कमजोरियों (वल्नेरेबिलिटी) की पहचान की है, जिनसे प्रभावित डिवाइस पर रिमोट हमलावर आसानी से अपना नियंत्रण हासिल कर सकता है. इन कमजोरियों का गलत इस्तेमाल होने पर उपयोगकर्ता का व्यक्तिगत डेटा चोरी होने, सिस्टम खराब होने या सेवाओं में रुकावट आने का गंभीर खतरा रहता है.

सर्ट-इन के अनुसार, यह खतरा उन क्रोम वर्ज़न्स को प्रभावित करता है जो विंडोज़, मैकओएस और लिनक्स पर 146.0.7680.80 से पुराने हैं. यदि कोई उपयोगकर्ता गलती से किसी हानिकारक वेबसाइट पर क्लिक करता है, तो हमलावर सिस्टम में कोड चला सकता है और डेटा या व्यक्तिगत जानकारी चोरी कर सकता है.

इस गंभीर खतरे से बचने के लिए सर्ट-इन ने सभी

उपयोगकर्ताओं से अनुरोध किया है कि वे तुरंत अपने ब्राउज़र द्वारा जारी किए गए नवीनतम वर्ज़न में अपडेट कर लें. यह सलाह सभी आम उपयोगकर्ताओं और कंपनियों पर लागू होती है, जो अपने डेस्कटॉप सिस्टम का उपयोग करते हैं.

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सर्ट-इन ने कुछ अतिरिक्त कदम भी सुझाए हैं. किसी भी अनजान या संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें, खासकर अगर वे ईमेल या पॉप-अप के जरिए आए हों. ऑटोमैटिक अपडेट चालू रखें ताकि सुरक्षा पैच समय पर मिल सकें. भरोसेमंद एंटी-वायरस या एंडपॉइंट प्रोटेक्शन सॉफ़्टवेयर का इस्तेमाल करें और किसी भी अनजान वेबसाइट से फाइलें डाउनलोड करने से बचें. अंत में, यह सलाह दी जाती है कि किसी भी तरह की परेशानी से बचने के लिए अपने सभी एप्लिकेशन और डिवाइस को हमेशा नवीनतम वर्ज़न में अपडेटेड रखें. समय पर अपडेट और सतर्कता से न केवल डेटा चोरी से बचा जा सकता है, बल्कि सिस्टम की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकती है. सतर्क रहना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन गया है.